भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 4058
दिनांक 25 मार्च, 2025 के लिए प्रश्न

वैश्विक डेयरी उद्योग

4058. श्रीआदित्य यादवः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भारत द्वारा वैश्विक डेयरी उद्योग में एक प्रमुख प्रतिभागी के रूप में अपनी स्थिति बनाया जाना सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार ने लोगों को इस बारे में जागरूक करने के लिए कोई पहल की है कि दूध कैल्शियम का एक अच्छा स्रोत है, जो मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए आवश्यक है, साथ ही इसमें उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन भी होते हैं जो मांसपेशियों की मरम्मत और विकास में सहायता करते हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) और (ख) भारत, वर्ष 1998 से दूध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। यह अब वैश्विक दूध उत्पादन में 25 प्रतिशत का योगदान देता है। पिछले 10 वर्षों में दूध उत्पादन वर्ष 2014-15 में 146.3 मिलियन टन से 63.56% बढ़कर वर्ष 2023-24 में 239.2 मिलियन टन हो गया है। देश में दूध उत्पादन पिछले 10 वर्षों के दौरान 5.7% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है, जबकि विश्व दूध उत्पादन 2% प्रति वर्ष की दर से बढ़ रहा है। देश में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता पिछले दशक में 48% वृद्धि के साथ वर्ष 2023-24 के दौरान 471 ग्राम/व्यक्ति/दिन से अधिक है, जबकि विश्व में प्रति व्यक्ति उपलब्धता 322 ग्राम/व्यक्ति/दिन है।

पशुपालन और डेयरी विभाग दूध उत्पादन और दूध प्रसंस्करण अवसंरचना संबंधी राज्य सरकार के प्रयासों को अनुपूरित और संपूरित करने के लिए देश भर में निम्नलिखित योजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है;

(i) राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD): एनपीडीडी को निम्नलिखित 2 घटकों के साथ कार्यान्वित किया जाता है:

1. एनपीडीडी का घटक 'क' राज्य सहकारी डेयरी परिसंघों/जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ/स्वयं सहायता समूहों (SHG)/दूध उत्पादक कंपनियों/किसान उत्पादक संगठनों के लिए गुणवत्ता वाले दूध परीक्षण उपकरणों के साथ-साथ प्राथमिक प्रशीतन सुविधाओं हेतु अवसंरचना के निर्माण/सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित है।
2. एनपीडीडी योजना के घटक 'ख' "सहकारिता के माध्यम से डेयरी" का उद्देश्य संगठित बाजार तक किसानों की पहुंच बढ़ाकर, डेयरी प्रसंस्करण सुविधाओं और विपणन अवसंरचना को उन्नत करके तथा उत्पादक स्वामित्व वाली संस्थाओं की क्षमता में वृद्धि करके दूध और डेयरी उत्पादों की बिक्री बढ़ाना है।

(ii) डेयरी कार्यकलापों में लगी डेयरी सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों को सहायता (SDCFPO): गंभीर प्रतिकूल बाजार स्थितियों या प्राकृतिक आपदाओं के कारण उत्पन्न संकट से निपटने के लिए कार्यशील पूंजीगत ऋण के संबंध में ब्याज सबवेंशन प्रदान करके राज्य डेयरी सहकारी परिसंघों की सहायता करना।

(iii) पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (AHIDF): एएचआईडीएफ को अनुसूचित बैंकों द्वारा पशुपालन क्षेत्र में प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन हेतु व्यक्तिगत उद्यमियों, डेयरी सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों, निजी कंपनियों, एमएसएमई और धारा 8 कंपनियों द्वारा उनके निवेश के लिए स्थापित पात्र परियोजनाओं के निधियन के लिए कार्यान्वित किया जा रहा है। इस योजना के तहत डेयरी प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन अवसंरचना, पशु चारा विनिर्माण संयंत्र, नस्ल सुधार तकनीक और नस्ल वृद्धि फार्म, पशु अपशिष्ट से संपत्ति प्रबंधन (कृषि अपशिष्ट प्रबंधन) और पशु चिकित्सा टीका और दवा उत्पादन सुविधाओं की स्थापना के लिए ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी हैं।

(iv) राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM): बोवाइन पशुओं के दूध उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए सरकार देशी नस्लों के विकास और संरक्षण तथा बोवाइन आबादी के आनुवंशिक उन्नयन के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन को क्रियान्वित कर रही है।

(v) राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM): उद्यमिता विकास के लिए व्यक्ति, एफपीओ, एसएचजी, धारा 8 कंपनियों और नस्ल सुधार अवसंरचना के लिए राज्य सरकार को प्रोत्साहन प्रदान करके पोल्ट्री, भेड़, बकरी और सूअर पालन में उद्यमिता विकास और नस्ल सुधार पर सघन ध्यान केंद्रित करना।

(vi) पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP): इसका उद्देश्य पशु रोगों के लिए रोगनिरोधी टीकाकरण, पशु चिकित्सा सेवाओं की क्षमता निर्माण, रोग निगरानी तथा पशु चिकित्सा अवसंरचना को सुदृढ़ करना है।

(ग) पशुपालन और डेयरी विभाग लोगों को दूध के पोषण संबंधी लाभों के बारे में जागरूक करने के लिए आधिकारिक चैनलों के माध्यम से लगातार सोशल मीडिया अभियान चला रहा है। इन अभियानों में जागरूकता पोस्ट, इन्फोग्राफिक्स, रील्स और हैशटैग और डिजिटल आउटरीच के माध्यम से जुड़ाव शामिल हैं।

*****